भारतीय विज्ञान कांग्रेस-2017

104वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस का आयोजन 3-7 जनवरी 2017 को तिरुपति में किया जा रहा है। भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ (भाविकांसं) द्वारा सन् 1914 से विज्ञान कांग्रेस का आयोजन किया जाता रहा है। इस संस्था की स्थापना का उद्देश्य भारत में आधुनिक विज्ञान को आगे बढ़ाना एवं समाज के विकास के लिए इसका सही उपयोग करना था। आरंभ से भारत के महान वैज्ञानिक, शिक्षाविद् एवं राजनेता इस संस्था से जुड़े रहे। विज्ञान कांग्रेस के इस समारोह हेतु अनेक आयोजनों की योजना बनाई गई है। भारतीय विज्ञान कांग्रेस के दौरान अनेक नोबल विजेता वैज्ञानिकों का व्याख्यान, महिला विज्ञान कांग्रेस, बाल विज्ञान कांग्रेस, विज्ञान संचारक सम्मेलन सहित विज्ञान के विभिन्न विषयों पर समांतर सत्रों का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष की थीम राष्ट्र के विकास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी है।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ (भाविकांसं) ने भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विकास में अहम भूमिका निभाई है। विज्ञानकर्मियों से संवाद स्थापित करने हेतु अखिल भारतीय स्तर पर एक मंच स्थापित करने का यह पहला प्र□□□ □□□ वैज्ञानिकों का □□ □□□□□ □□□□□□□ □ □□ □□□□□कामों □□ परिचित ह□□□□ □□□□ प्रदान □□□□□□□□-□□□ विज्ञान ए□प्रौद्योगिकी के विकास □□लिए जरूरी संस्थानिक □□□ □□□□ □□□□में विज्ञान कांग्रेस न□□□□ भूमिका निभाई □□विज्ञान अ□ □ □□□□□□ □□ संबंधित विज्ञान विषयों पर □□□ □□लिए विज्ञान कांग्रेस न□□□ महत्वपूर्ण वार्षिक मंच □□रूप में व□□ किया □□□□ □□ □□□ □□ □□कि □□□प्रख्यात वैज्ञानिक, स्कूल □□ □□□□ □□शिक्षक अ□ □ □□ □□□□ □□ □□□ □□□□हैं।

विज्ञान कांग्रेस की □□ □□ महत्वपूर्ण विशेषता □□ □□कि □□में विदेशों से□□□□□ विजेता वैज्ञानिक भी सम्मिलित ह□□□हैं। इ□ □□□□ □□□□वाली वैज्ञानिक प्रदर्शनी □□ □ लोगों □□ ध्यान □□□□□ □□□□ □ □□□□ □□□ □ □□□□ □□ विज्ञान शिक्षा ए□वैज्ञानिक अ□□□□□ □महत्व □□ □□□□□□में भ□ □□□ की □□

□□□□□□ विज्ञान कांग्रेस क□□□□□अध्यक्ष थ□□ □□□□ मुखर्जी। □ □□□□ मुखर्जी □□जनवरी 1914 में □□□□अध्यक्षीय भ□□□ में भाविकांसं □□□ संस्था □□□□□□उद्देश्य के□□□□में जिक्र किया □□□ □□□□ अध्यक्षीय भ□□□ □□ शीर्षक ही □□ "□□□□□□ कांग्रेस क□□□□□में'' उन्होंने □□□ भाविकांस □□ वैज्ञानिक □□□-□□□ की दिशा में □□□□□ □□□ □□□□,□□□ □□विभिन्न भागों में विज्ञान में रुचि □□□□□□□□ समाजों □□ व्यक्तियों में साहचर्य व□ प्रोत्साहित कर□, विशुद्ध औ□ अनुप्रयुक्त विज्ञान के उद्देश्यों के प्रति □□ अधिक □□ □□□□ □□□ □□ □□ की प्रगति की □□□□ □ □□□ □□□□□□□□लिए" □□□□□ □□□ □□□

□□□ □□ □□□ विभिन्न क्षेत्रों में भ□□□□□ विज्ञान की प्रगति का विज्ञान कांग्रेस साक्षी र□□ □□□□□ 1948 □□□□□ □ उत्तरोत्तर प्रधानमंत्री ए□□□□□ □ प्रख्यात वैज्ञानिक विज्ञान कांग्रेस में भ□□□ में विज्ञान □ भविष्य सं□□□□□□□□□□□□ अभिमतों क□ □□□□ □□□□□□हैं। उन्होंने ह□□□ ही □□□□ सभ्यता □ विकास में विज्ञान की भूमिका □□ रेखांकित किया। □□□□□□ □ लिए □□□□ में आधुनिक □□□□□ विज्ञान □ संस्थापक आचार्य प्रफुल्लचंद्र □□□ □□7□□□□□□□ विज्ञान कांग्रेस (□□ 1920) में □□□□□ अध्यक्षी□ □□□□ में क□□ □□ : ”□□ दृष्टिकोण से वैज्ञानिक ज्ञान की प्रगति हम□□ लोगों □□ राष्ट्रीय विकास □ लिए अति आवश्यक □□□□ उद्देश्य की पूर्ति के लिए □□□□□ □□ □□□□ दोनों □□ हार्दिक □□□□□ अनिवार्य है□’ □□□□ □ सर्वश्रेष्ठ अभियंताओं में र□□□ मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया □□10□□ विज्ञान कांग्रेस (□□ 1923) □□□□□□ □□□ अध्यक्षीय □□□□ में क□□ □□ ”विज्ञान में उन्नति द□□□□ राष्ट्र के विकास □□ □□ □ □□□ □□□□ □□□□ □□□ अकल्पनीय □कि □□□ □□ □□ यदि विज्ञान में प□□□□ □□ दैनिक □□□□ □ उद्देश्यों में इस नहीं □□□□□□ □□□ □□□□ □□ □□ प्रगति की उम्मीद नहीं □□ □□□□□ □ □ □□ विज्ञान के□□ □□□ में हैं अ□□ अस्तित्व □ संघर्ष में विज्ञान के बिना □□□□□ नहीं मिल □□□□ □ □ वहीं □□□ सभ्यता □□ □□□□□□□ प्रगति नहीं □□ □□□□“□ □□ □□□□ द्रष्टाओं □□ प्रेरित होक□, भारतीयों □□□□ विश्वास □□□□ □रू □□ दिया कि □□ विज्ञान ही □□□□ उन्हें बेह□□ भविष्य दे □□□□ □□ □□ 1976 में तत्कालीन भाविकांसं □ अध्यक्ष ए□.□□. स्वामीनाथन् द्वारा कांग्रेस में राष्ट्रीय महत्व □□□□ केंन्द्रीय विषय-वस्तु (□□□□ □□□) □□ विचार-विमर्श किए □□□ की परम्परा शुरु की □□□

विज्ञान कांग्रेस के संदर्भ में य□ □□□ □□ □कि □□ □□□□□ वैज्ञानिकों के □□□ □□□ पत्र प्रस्तुत क□□□ □ लिए □□□ □□□□□□ □□ उपलब्ध हैं अ□ □□ □□ विषय में विशेष □□ □□ उपलब्ध हैं म□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□ विशेष विषय □□ ही चर्चा ह□□□ □□□□□□□ विषय □ विशेषज्ञ एकत्रित ह□□ हैं। विज्ञान कांग्रेस □□□ □□ □□ □□□□□□□ विषय □ विशेषज्ञ एकत्रित हो□ हैं। इ□□□□□□□□ विज्ञान □□□ प्रौद्योगिकी सं□□ नीति निर्धारण क□□□□□□□□□ □□ शामिल □□□ हैं। भ□□□ □ प्रधानमंत्री इसमें स□□ सम्मिलित □□□ हैं। भ□□□ की विज्ञान प्रौद्यौगिकी नीति निर्धारण क□□□ □ लिए विज्ञान कांग्रेस स□□ उपयुक्त □□□ अन्य □□ नहीं ह□ □□□□ □□□□□□□□ □ विकास में विज्ञान □□ प्रौद्योगिकी की भूमिका □□ व्यापक चर्चा ह□ □□□□ □□ विज्ञान कांग्रेस में स□□□□□ विज्ञान, अर्थशास्त्री, स्कूल-□□□□ □□ विज्ञान शिक्षक ए□□□त्र □□□ □ □ □□□□ □□ □□□ □□ हैं। विज्ञान कांग्रेस दे□ में विज्ञान चे□□□ □□ वैज्ञानिक दृष्टिकोण फै□□□ में विशेष भूमिका निभा □□□□ □□□□ □□ दिशा में विज्ञान कांग्रेस क□□ □□ □□ □□□ □□

स्रोत: 1) आविष्कार पत्रिका में प्रकाशित □□. □□□ □□□□ □□ □□

2) □□□□□ विज्ञान कांग्रेस की □□□□□□ http://www.isc104.com/

02.01.2017